ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८ १२५

बुलेटिन संख्या-२५
दिनांक-शुक्रवार,२९ मार्च,२०१९

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३२.४ एवं १६.० डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ७५ सुबह में एवं दोपहर में ४८ प्रतिशत, हवा की औसत गति २.३ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ४.२ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ८.१ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २१.० एवं दोपहर में २९.६ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में १.० मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(३० मार्च से ३ अप्रैल,२०१९)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी ३० मार्च से ३ अप्रैल, २०१९ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में बादल देखे जा सकते हैं। २ से ३ अप्रैल के दौरान उत्तर बिहार में हल्की वर्षा या बुंदा-बुंदी का अनुमान है।
- अधिकतम तापमान ३२ से ३४ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। न्यूनतम तापमान १५ से १७ डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है।
- इस अवधि में औसतन ८-१० कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पुरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ७५ से ८० प्रतिशत तथा दोपहर में ४५ से ५० प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- २ से ३ अप्रैल में हल्की वर्षा या बुंदा-बुंदी की संभावना को देखते हुए किसान भाई खड़ी फसलो में सिंचाई स्थगित रखें। इस दौरान गेहुँ की तैयार फसलो की कटनी में सावधानी बरतने की आवश्यकता है। कीटनाशकों का छिड़काव मौसम साफ रहने पर हीं करें।
- आम में मटर के दाने के बराबर की अवस्था हो गयी है, इस अवस्था में किए जाने वाले कृषि कार्य निम्न है।
  - ✓ मटर के दाने के बराबर फल हो जाने के बाद इमिडाक्लोरप्रीड (१७.८ एस०एल०)/१ मि०ली० दवा प्रति दो लीटर पानी में और हैक्साकोनाजोल १ ग्राम/दो लीटर पानी या डाइनोकैप (४६ ई०सी०) १ मिली दवा प्रति १ लीटर पानी में घोलकर छिड़कने से मधुवा एवं चूर्णिल आसिता की उग्रता में कमी आती है।
  - ✓ प्लेनोफिक्स नामक दवा/१ मिली प्रति ३ लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करने से फल के गिरने में कमी आती है।
- गरमा मूंग तथा उरद की बुआई प्राथमिकता देकर १० अप्रैल से पहले संपन्न करें। खेत की जुताई में २० किलो ग्राम नेत्रजन, ४५ किलोग्राम स्फूर, २० किलोग्राम पोटाश तथा २० किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। मूंग के लिए पूसा विशाल, सम्राट, एस०एम०एल०-६६८, एच०यू०एम०-१६ एवं सोना तथा उरद के लिए पंत उरद-१९, पंत उरद-३१, नवीन एवं उत्तरा किस्में बुआई के लिए अनुशंसित हैं। बुआई के दो दिन पूर्व बीज को कार्बेन्डाजीम २.५ ग्राम प्रति किलो ग्राम की दर से शोधित करें। बुआई के ठीक पहले शोधित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करें। बीजदर छोटे दानों के प्रभेदों हेतु २०-२५ किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर तथा बड़े दानों के प्रभेदों हेतु ३०-३५ किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई की दूरी ३० x१० से०मी० रखें।
- ओल की रोपाई करें। रोपाई के लिए *गजेन्द्र* किस्म अनुशंसित है। प्रत्येक ०.५ किलोग्राम के कन्द की रोपनी के लिए दूरी 75x75 से० मी० रखें। ०.५ किलोग्राम से कम वजन की कंद की रोपाई नहीं करे। बीज ८० क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से रखें। बुआई से पूर्व प्रति गड्ढ़ा ३ किलोग्राम सड़ी हुई गोबर, २० ग्राम अमोनियम सल्फेट या १० ग्राम युरिया, ३७.५ ग्राम सिंगल सुपर फास्फेट एवं १६ ग्राम पोटेशियम सल्फेट का व्यवहार करे। ओल की कटे कन्द को ट्राइकोर्डमा भिरीडी दवा के ५.० ग्राम प्रति लीटर गोबर के घोल में मिलाकर २०-२५ मिनट तक डुबोकर रखने के बाद कन्द को निकालकर छाया में १०-१५ मिनट तक सुखने दें उसके बाद उपचारित कन्द को लगायें ताकि मिट्टी जनित बीमारी लगने की संभावना को रोका जा सके तथा अच्छी उपज प्राप्त हो सके।
- बिगत माह बोयी गई सब्जियों की फसल में आवश्यकतानुसार निकाई-गुड़ाई करें। इन फसलों में कीट की निगरानी करें। कीट का प्रकोप फसल में दिखने पर मैलाथियान ५० ई०सी० या डाइमेथोएट ३० ई०सी० दवा का १ मि० ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।
- वैसे किसान भाई जो चारा की फसलें लगाना चाहते हैं वें ज्वार की कोहवा प्रभेद लगाएँ। ज्वार के साथ हाईब्रीड मेथ या बोरी जरुर लगावें।
- कीट-व्याधियों से बसंतकालीन मक्का, टमाटर, बैगन एवं प्याज की फसल की बराबर निगरानी करते रहें।

आज का अधिकतम तापमानः ३३.२ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.७ डिग्री कम	आज का न्यूनतम तापमानः १७.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.२ डिग्री अधिक

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी